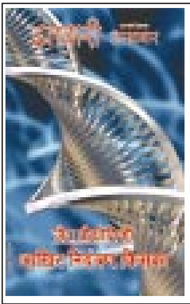
- अविनाशी संस्कृति का परचम पचराही
- प्राचीन काल से है मां खल्लारी का रहस्य
- छत्तीसगढ़ की चमत्कारी देवियां
- टमाटर एक औषधि के रूप में
- क्या हम जीवित हैं...?
- प्रशासन का टोल फ्री नंबर गुड फीड

और बहुत कुछ ...विविध , साहित्य, खेल, फिल्म, बहुत सी पहेलियां भी

हॉकर या बुक स्टॉल से हासिल करें या इन नंबरों पर पता नोट कराएं

राजमन तिवारी 98936-25006 डी.के. शर्मा 98271-64315

छत्तीसगढ़

www.dailychhattisgarh.com डाक पंजीयन क्र. छग /रायपुर संभाग /40 /2009-2011

रायपुर, 18 मार्च 2010, गुरुवार | वर्ष-3 अंक-16 पृष्ठ- 12 दाम- 2 रुपए | चैत्र सुदी ३ सं. २०६७

यौन शोषण पादरियों के ब्रह्मचर्य समाप्ति की सलाह

छत्तीसगढ़ न्यूज़ डेस्क

रोम, 18 मार्च। रोमन कैथोलिक गिरजों में उच्चतम स्तर तक बच्चों के यौन शोषण पर पर्दा डालकर उसे जारी रखने के आरोप में घिरे 26 वें पोप बेनेडिक्ट ने कहा है कि आयरलैंड में बच्चों के यौन शोषण की घटनाओं पर उन्होंने अपना बयान अंतिम रूप से तैयार कर लिया है और वह इसे शुक्रवार को जारी करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यूरोप अमरीका समेत दुनिया भर के गिरजों में बच्चों के यौन शोषण की खबरें आ रही हैं। इन घटनाओं का शिकार हुए लोग बरसों बाद सामने आ कर अपनी शिकायतें दर्ज करवा रहे हैं। ऐसी घटनाओ में सबसे बुरी दशा आयरलैंड की बताई जा रही है जहां डबलिन आर्कबिशप के कार्यालय और अन्य कैथोलिक अधिकारियों ने 1975 से ले कर 2004 तक बाल यौन शोषण की खबरों पर पर्दा डाले रखा।

इस बीच कुछ विद्वानों ने रोमन कैथोलिक गिरजों में जारी पुरानी प्रथाओं, जैसे -पादरियों के ब्रम्हचर्य की शर्त, और महिलाओं को पादरी न बनाने की आलोचना करते हुए इनमें सुधार करने की सलाह दी है।

न्यूयार्क की यूनियन थियोलाजिकल सेमिनरी की अध्यक्ष

(बाकी पेज 8 पर)

सम्पादकीय पेज 6 पर

धर्म का अमानवीय ढांचा भारी पाखंड से भरा होता है

1 बजे

पुलिस चुस्त, किसान प्रदर्शन सुस्त

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 18 मार्च। बोनस और मुफ्त बिजली की मांग को लेकर राज्य भर से यहां जुटे किसानों ने गुरूवार को रैली निकालकर प्रदर्शन किया। विधानसभा का घेराव करने के मंसूबे से आए किसानों की इस रैली को नियंत्रित करने बड़ी तादात में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। लोधीपारा चौक के पास किसानों को गिरफ्तार कर उनके एकप्रतिनिधि मंडल को मुख्यमंत्री से चर्चा के लिए विधानसभा भेजा गया। इस दौरान पंडरी मंडीगेट से लोधीपारा चौक व मोवा तक सड़क पूरी तरह जाम रही, जिससे लोग परेशान रहे। भाजपा छोड़कर निकले नेता वीरेन्द्र पांडे और किसान संगठन के नेता अनिल दुबे ने इस रैली के समर्थन में 2 लाख से ज्यादा किसानों के शामिल होने का दावा किया था। लेकिन दावों के विपरीत रैली शुरू होने के समय दोपहर 1 बजे तक गिनती के किसान ही मंडीगेट स्थित सभा स्थल में जुटे। धीरे-धीरे किसानों की भीड़ जुटती गई।

छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में गुरूवार को राज्य भर से यहां जुटे किसानों ने मंडीगेट से रैली निकालकर प्रदर्शन किया। रैली के दौरान सुरक्षा व रैली को नियंत्रित करने के मद्देनजर बड़ी संख्या में पंडरी से विधानसभा तक पुलिस बल की तैनाती की गई थी। दोपहर एक बजे से शुरू होने वाली रैली के लिए सुबह से ही तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। रैली की तैयारियों के दौरान ही यातायात का दबाव बढ़ने से सड़क के दोनों ओर कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। रैली की वजह से घंटों लोग जाम में फंसे रहे।

छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा के प्रवक्ता जागेश्वर प्रसाद ने बताया कि धान के समर्थन मूल्य पर 270 रुपए प्रति क्विंटल बोनस, व समर्थन मूल्य 14 सौ रुपए प्रति क्विंटल तय करने, सिंचाई पंप के लिए 5 हार्स पावर बिजली मुफ्त देने, कृषि उपकरणों की खरीदी के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिए जाने, धमतरी के आंदोलनकारी किसानों के खिलाफ दर्ज प्रकरण

(बाकी पेज 8 पर)

11 बजे

छाया / छत्तीसगढ़

'केंद्र और बंगाल ईसाई-मुसलमान आरक्षण की ओर'

छत्तीसगढ़ संवाददाता

'पादरियों की सीडी क्यों नहीं आती?'

रायपुर, 18 मार्च। विश्व हिंदू परिषद के नेता डॉ प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि केंद्र और बंगाल सरकार मुसलमानों और ईसाइयों को आरक्षण देने की तैयारी में है। उन्होंने मजहब के आधार पर आरक्षण की खिलाफत करते हुए इसके विरोध में देशभर में आंदोलन चलाने का ऐलान किया।

उड़ीसा में एक कार्यक्रम में शामिल होने से पहले डॉ. तोगड़िया ने पीडब्ल्यूडी मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के रामसागर पारा स्थित निवास में संवाददाताओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बंगाल और केंद्र सरकार नौकरियों में मुसलमानों को 10 प्रतिशत तथा ईसाइयों को 5 फीसदी का आरक्षण देने पर विचार कर रही है। इसके पहले भी अलीगढ़ विवि और आंधप्रदेश ने मुसलमानों को आरक्षण देने का

(बाकी पेज 8 पर)

तोगड़िया के कंधमाल दौरे पर प्रतिबंध, भाजपा की चेतावनी

भुवनेश्वर, 18 मार्च (एजेंसी)। विहिप नेता प्रवीण तोगड़िया के कंधमाल जिले के दौरे पर लगाए प्रतिबंध को 'सनक' करार देते हुए भाजपा ने चेतावनी दी कि अगर इस मुद्दे पर सांप्रदायिक सौहार्दता बिगड़ा तो उसकी जिम्मेदारी उड़ीसा सरकार की होगी।

राज्य भाजपा ने एक वक्तव्य में कहा, सरकार के इस सनक भरे फैसले से कंधमाल और राज्य के अन्य हिस्सों में अगर सांप्रदायिक तनाव बढ़ता है तो उसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की होगी। तोगड़िया के कंधमाल में प्रवेश पर प्रशासन द्वारा रोक लगाने के एक दिन बाद भाजपा की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पार्टी के उपाध्यक्ष अशोक साहू ने कहा, सरकार ने जब नौ यूरोपीय देशों के राजनयिकों का गर्मजोशी से स्वागत किया तो ऐसे में तोगड़िया के दौरे पर रोक लगाने का कोई मतलब नहीं है।

छात्राओं से सेक्स-चर्चा प्रिंसिपल की पिटाई

महर्षि विद्या मंदिर भिलाई

छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई शहर, 18 मार्च। सुपेला स्थित महर्षि विद्या मंदिर की नवीं व दसवीं की छात्राओं ने प्रिंसिपल पर आरोप लगाया कि उसने परीक्षा में पास करने का प्रलोभन देकर उनसे छेड़छाड़ की कोशिश की। छात्राओं ने प्रिंसिपल की बातें रिकार्ड कर परिजनों को सुनाई। परिजनों ने आज सुबह स्कूल पहुंचकर प्रिंसिपल की पिटाई कर दी और थाने में रिपोर्ट लिखवाई।

छात्राओं ने बातचीत रिकॉर्ड की

एएसपी एमएल कोटवानी ने बताया कि सुपेला स्थित महर्षि विद्या मंदिर हाईस्कूल की छात्राओं ने अपने परिजनों से शिकायत की थी कि प्रिंसिपल कमलजीत सिंह छाबड़ा (50) ने उन्हें परीक्षा में पास करने का प्रलोभन देकर छेड़छाड़ करने की कोशिश की। वह छात्राओं से सेक्स को लेकर अनाप-शनाप बातें भी करता था। कुछ छात्राओं ने प्रिंसिपल की बातों को रिकार्ड कर लिया।

इस खुलासे के बाद छात्राओं के रिश्तेदार आक्रोशित होकर आज सुबह स्कूल पहुंच गए। उन्होंने प्रिंसिपल कमलजीत छाबड़ा से बात की। छाबड़ा ने आरोपों को गलत और छात्राओं को झूठा बताया तो अभिभावक और उग्र हो गए। उन्होंने स्कूल के कार्यालय में ही छाबड़ा को पीटना शुरू कर दिया। कार्यालय में जमकर तोड़-फोड़ कर दी।

मारपीट की जानकारी मिलने के बाद पुलिस स्कूल पहुंची और अभिभावकों से रिपोर्ट दर्ज करवाने को कहा।

(बाकी पेज 8 पर)

मैं अपने से कभी संतुष्ट नहीं- विजेंद्र

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और दुनिया के नंबर एक मुक्केबाज विजेंद्र कुमार ने बुधवार को यहां पांचवीं राष्ट्रमंडल मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा कि वह अपने खेल से कभी संतुष्ट नहीं होते हैं और इसी से उन्हें हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

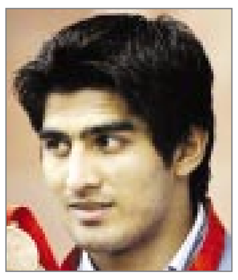

विजेंद्र ने मुकाबले में बाद संवाददाताओं से कहा, मेरा आदर्श वाक्य है डोंट बी संतुष्ट। मैं कभी अपने खेल से संतुष्ट नहीं होता जिससे मुझे हरदिन अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। जिस दिन मैं संतुष्ट हो जाऊंगा उस दिन मैं हाशिए पर चला जाऊंगा। विजेंद्र ने फाइनल में इंग्लैंड के फ्रैंक बुगलियोनी को 13-3 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। हालांकि पहले दौर में विपक्षी मुक्केबाज के प्रहार से उनकी नाक से खून बहने लगा लेकिन उन्होंने इस दर्द पर काबू पाते हुए इंग्लिश खिलाड़ी को चारों खाने चित कर दिया।

फाइनल मुकाबले के बारे में विजेंद्र ने कहा, पहले दौर में नाक से खून देखकर मैं थोड़ा विचलित हो गया था। मुझे यह डर सता रहा था कि अगर खून लगातार बहता रहा तो रेफरी मुकाबला रोक देगा।

(बाकी पेज 8 पर)

आईपीएल टिकट के नाम पर जालसाजी

मुंबई, 18 मार्च (एनडीटीवी)। आईपीएल-3 ने देश और दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों के अलावा साइबर अपराधियों को भी आकर्षित किया है। अपराधी इस प्रतियोगिता के बहाने ऐसे लोगों को निशाना बनाना चाहते हैं, जो इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय सावधानी नहीं बरतते। साइबर विशेषज्ञों ने ऐसे ई मेल के प्रति लोगों को सावधान किया है, जो आईपीएल-3 के मैच या फाइनल के टिकट मुफ्त में देने का वादा कर रहे हो। उनका कहना है कि इस मेल के पूरी तरह खुलते ही संभव है कि साइबर अपराधी संबंधिक कंप्यूटर के सारे डाटा चुरा लें।

साइबर अपराधियों ने लोगों को ऐसे ई मेल भेजना शुरू कर दिया है, जिसमें लोगों को आईपीएल के टिकट मुफ्त में देने का झांसा दिया जा रहा है। इंटरनेट सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने वाली कंपनी सायमंटेक के उपाध्यक्ष शांतनु घोष का कहना है कि इस तरह की कुछ स्पर्म मेल की जानकारी उनकी कंपनी को भी मिली है।

(बाकी पेज 8 पर)

नक्सल-संबंध उड़िया पत्रकार गुजरात में बंदी

सूरत, 18 मार्च (इंडियन एक्सप्रेस)। गुजरात पुलिस ने सूरत के ग्रामीण इलाके पंडदेसरा से उड़ीसा निवासी 37 साल के निरंजन महापात्र को गिरफ्तार किया है। उस पर दक्षिण गुजरात के आदिवासी इलाकों और सूरत शहर में नक्सली गतिविधियां चलाने का आरोप है। उसके पास से काफी मात्रा में नक्सली साहित्य मिला है।

सूरत ग्रामीण पुलिस ने महापात्र को अदालत में पेश किया था, जहां से 10 दिन की पुलिस रिमांड पर दिया गया है। सूरत रेंज के आईजी एके सिंह का कहना है कि महापात्र से जुड़े लोगों की तलाश की जा रही है। कुछ समय पहले तक एक उड़िया अखबार में स्वतंत्र पत्रकार के रूप में काम करने वाले महापात्र बाद में कर्मचारी यूनियन से जुड़ गया था। महापात्र को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया।

(बाकी पेज 8 पर)

संतान के लिए तंत्र 5 बच्चों को मारा

हिंगोली, 18 मार्च (एनडीटीवी)। महाराष्ट्र के हिंगोली इलाके में संतान के लिए तांत्रिक के कहने पर एक दंपत्ति द्वारा गांव के पांच बच्चों की हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दिगरस गांव में रहने वाली वंदना मोलके को तांत्रिक ने कहा था कि अगर वह 11 बच्चों को मार डालेगी, तो उसे संतान सुख मिल जाएगा।

पुलिस के अनुसार शादी के 12 साल बाद भी वंदना को बच्चा नहीं हुआ था। तांत्रिक की बातों में आ गई महिला, उसके पति विट्ठल और ससुराल पक्ष के लोगों ने एक के बाद एक पांच बच्चों को जहर देकर मार डाला। पुलिस ने वंदना, विट्ठल के अलावा उसकी सार कलावती और ससुर कुंडलिक मोलके के खिलाफ जुर्म कायम कर लिया है। दिगरस पुलिस थाने के इंस्पेक्टर एमए रईफ ने बताया कि इन लोगों ने 13 दिसंबर से लेकर चार मार्च के बीच दो से चार साल की उम्र के पांच बच्चों को जहर देकर मार डाला। इतने बच्चों की मौत से गांव के लोगों को मोलके परिवार के सदस्यों पर शक हो गया और उन्होंने पुलिस को सूचना दे डाली।

जहर से मारे गए एक बच्चे के पिता रमेश दलवी ने बताया कि पहले तो उनको भी लगा कि मौत की वजह से सर्पदंश हो सकता है। लेकिन जब गांव के कई और बच्चों की मौत हुई तो उनको लगा कि दाल में कुछ काला है।

गांव में जब पुलिस पूछताछ करने पहुंची तो मोलके परिवार के सदस्य गायब हो गए, जिससे शक लगभग विश्वास में बदल गया। पुलिस ने छापेमारी कर बुधवार को मोलके परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। इस परिवार की अज्ञानता, गरीबी की वजह से पांच परिवारों के चिराग बुझ गए।

जैनों में संथारा की घटनाओं में बढ़ोत्तरी

मुंबई, 18 मार्च (टाईम्स आफ इंडिया)। पिछले साल 11 सितम्बर को 60 वर्षीय जैन साध्वी चरण प्रग्यावती की मौत राजस्थान के छोटे से नगर भीलवाड़ा ने अब तक देखी मौतों से अलग थी। देश भर के 20 हजार से भी अधिक जैन यहां इकट्ठे हुए। सफेद कपड़ों में उनकी मौत का शोक मनाने नहीं, बल्कि चटख बेहतरीन बान्धनियों में वह सब यहां जैन साध्वी के निधन पर उत्सव मनाने आए थे, जो आज तक किसी जैन द्वारा झेले गए सबसे लम्बे 87 दिनों के संथारा के बाद हुई थी।

संथारा अपनी इछा से सिलसिलेवार उपवास करते हुए मौत का वरण करने की जैन परम्परा को कहते हैं। जैन धर्मग्रंथों के मुताबिक यह मोक्ष प्राप्त करने, और जीवन-मृत्यु के फेरे से बचने का चरम मार्ग है।

जैन धर्म पर एक प्रकाशन आल इंडिया जैन चतुर्मास सूचि के सम्पादक बाबूलाल जैन उज्जवल के मुताबिक अब ज्यादा से ज्यादा जैन यह तरीका अपना रहे हैं। 2008 के 465 जैनों के मुकाबले 2009 मे 550 जैनों ने संथारा का प्रण लिया। इस साल अब तक 45 जैन संथारा कर चुके हैं।

उज्ज्वल के मुताबिक- पूरे साल देश में कहीं न कहीं हर रोज कोई न कोई जैन यह पवित्र कसम खाता है। उनके मुताबिक मुंबई में मलाड में एक साध्वी ने सबसे लम्बा 59 दिनों का संथारा किया था। गुजरात में कच्छ,राजस्थान , महाराष्ट्र और कर्नाटक में देश में सबसे ज्यादा संथारा होते हैं।

आम धारणा के विपरीत संथारा , सांसारिक जीवन छोड़ चुके जैन साधुओं का एकाधिकार नहीं है। एल डी इंस्टिट्यूट ऑफ इंडोलोजी के निदेशक जितेन्द्र शाह कहते है- सच तो यह है कि साधुओं के मुकाबले सामान्य जैन अधिक संख्या में संथारा करते हैं। एक और गलत धारणा यह है कि किसी बीमारी के शिकार ही यह प्रथा अपनाते हैं। यह गलत है संथारा जीवन समेत सारे बन्धनों का त्याग करने के विचार पर आधारित है।

शाह के मुताबिक संथारा करने वालों में 60 फीसदी महिलाएं और 40 फीसदी पुरुष होते हैं। वह कहते हैं - शायद ऐसा इसलिए है कि औरतें ज्यादा धार्मिक रुझान और मजबूत मनोबल वाली होती हैं।

हाल के दिनों में संथारा के आलोचक इसे एक तरह की आत्महत्या कहकर इसकी आलोचना करते हैं।

(बाकी पेज 8 पर)

ट्रिगर पर टाइगर, पंजे पर इंसान

सुंदरबन (प.बंगाल) से लौटकर गीताश्री

दुनिया भर में रॉयल बंगाल टाइगर के लिए मशहूर सुंदरवन के गरमाते जंगल ने बाघों का मिजाज भी बदल दिया है। बाघ एक के बाद एक हमले कर रहे हैं और लोग मारे जा रहे हैं। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इस तरह के हमले के बाद बाघ भी अब बंदूक के निशाने पर हैं।

सुंदरबन में जनसंख्या का दबाव बहुत बढ़ा है। अविभाजित सुंदरबन में 1772 में आबादी 3 लाख थी। 1951 की पहली जनगणना में यहां की आबादी 14.5 लाख थी। जो आज की तारीख में 45 लाख हो गई है। आबादी की इस बेहिसाब बढ़त ने सुंदरवन के विश्व विख्यात रॉयल बंगाल टाइटर और मनुष्यों के बीच के टकराव को बढ़ा दिया है। आंकड़ों पर यकीन करें तो सुंदरबन में लगभग 500 विश्व विख्यात रॉयल बंगाल टाइगर का बसेरा है। दुनिया में इतने बाघों की आबादी बहुत कम जगहों में है।

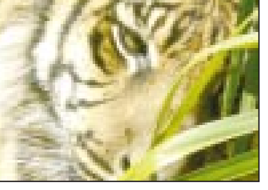

ये बाघ बड़ी संख्या में आम लोगों को अपना शिकार बनाने के लिए कुख्यात हो गए है। एक अनुमान के अनुसार सुंदरबन में बाघ हर साल सैकड़ों की संख्या में लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। ऐसा नहीं है कि सुंदरबन में बाघ ही मानव आबादी के करीब रहते हैं। वास्तविकता यह है कि बाघ संरक्षित वन के मुहाने पर दर्जनों गांव स्थित हैं और इन गांवों की आबादी हजारों में हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो आम लोगों पर बाघों के हमलों की घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती है।

(बाकी पेज 5 पर)

मछुआरे और लकड़हारे बाघ से बचने के लिए तरह-तरह के मुखौटों का भी इस्तेमाल करते रहे हैं। इन मुखौटों को सिर के पीछे बांधा जाता है क्योंकि बाघ हमेशा पीछे ही हमला करता है। यह तरीका कुछ समय के लिए कारगर बना रहा लेकिन समय गुजारने के साथ बाघों को इस बात का अहसास हो गया कि उन्हें झांसा देने के लिए यह तरीका अपनाया जा रहा है।